राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 07 | जौनपुर बुधवार, 20 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

तमिलनाडु के 9 इलाकों में एनआईए का तलाशी अभियान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को पीएमके पदाधिकारी रामलिंगम की 2019 में हुई हत्या के सिलसिले में तमिलनाडु भर में नौ जगहों पर छापेमारी की। डिंडीगुल, तेनकासी और कोडईकनाल में छापेमारी की गई, जिसमें सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के पदाधिकारी शेख अब्दुल्ला के आवास पर भी छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान, एनआईए ने इस मामले से जुड़े फरार घोषित अपराधियों को कथित तौर पर शरण देने के आरोप में इम्थुतुल्लाह नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। यह मामला फरवरी 2019 में तंजावुर जिले में रामलिंगम की हत्या से संबंधित है। धर्म परिवर्तन के प्रयासों का विरोध करने पर उन पर कथित तौर पर अब प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों ने हमला किया था। मार्च 2019 में इस मामले की जाँच अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने पहले 18 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था, जिनमें से छह को भगोड़ा घोषित किया गया था। तब से, कई गिरफ्तारियाँ हो चुकी हैं, जिनमें नवंबर 2024 में मोहम्मद अली जिन्ना की गिरफ्तारी भी शामिल है, जिन पर लगभग छह वर्षों तक भगोड़ों को कथित तौर पर शरण देने का आरोप है। 2021 और जनवरी 2025 के बीच तीन और भगोड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 5 लाख रुपये के इनाम वाले अन्य अपराधियों की तलाश अभी भी जारी है।

जैसलमेर सीमा पर पाकिस्तानी जासूस दबोचा, बड़े खतरे का अलर्ट!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान का जासूसी नेटवर्क तोड़ने के लिए लगाचार एक्शन में है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ये शक था कि देश के अंदर के लोगों ने भी इस आतंकी हमले को अंजानम देने में मदद की है। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इसके बाद देश के अंदर छिपे गद्दारों को तलाशने का दौर शुरू हुआ और देश में कई जासूसों को गिरफ्तार किया गया। अब एक और शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। राजस्थान के जैसलमेर जिले में बुधवार को एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय युवक को पाकिस्तान के फोन नंबरों पर बात करने के कारण संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया युवक जीवन खान सांकड़ा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। यह युवक पाकिस्तानी नंबरों पर बातचीत करते हुए पकड़ा गया है। शुरुआती जांच में उसके मोबाइल में पाकिस्तान के कई फोन नंबर भी मिले हैं। पुलिस के अनुसार सुरक्षा एजेंसियां ने उसे संयुक्त जांच समिति को सौंप दिया है, जहां उससे आगे पूछताछ की जाएगी।

खाद की कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त

लखनऊ, (संवाददाता)। योगी सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। सरकार ने खाद के अनावश्यक भंडारण न करने की अपील की है। कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी दी। खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न

करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब–जब आवश्यकता है, तब–तब खाद लें। हर जनपद में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने जनपद में तैनात अधिकारियों को समय–समय पर निरीक्षण करने, किसानों से संवाद स्थापित करने और समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। कृषि विभाग ने बताया कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है। प्रदेश में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक अधिक खाद वितरण किया जा चुका है। विगत वर्ष 27.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया वितरण हुआ था, इस वर्ष अभी तक 31.62 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। डीएपी 2024 में वितरण 5.28 लाख मीट्रिक टन का रहा, इस वर्ष यह बिक्री 5.38 लाख मीट्रिक टन हुई। एनपीके उर्वरक (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटेशियम मिश्रण) का वितरण विगत वर्ष 2.07 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष 2.39 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश) 0.25 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस वर्ष 0.46 लाख मीट्रिक टन वितरित हुआ। वहीं एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का वितरण 2024 में 1.91 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष किसानों को 2.79 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य पूर्ण हो गया है। मुख्य फसल धान में टॉप–ड्रेसिंग हेतु प्रतिदिन औसतन 49564 मी०टन यूरिया की खपतधबिक्री हो रही है। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 16.04: (मात्रा 4.37 लाख मी०टन) अधिक यूरिया उर्वरक की बिक्री हुई है।

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही लंबे समय तक स्थगित रही

बिहार, (एजेंसी)। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के बाद बुधवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही लंबे समय तक स्थगित रही। विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) आलोचनाओं का सामना कर रहा है। विपक्षी सांसदों ने 2024 के लोकसभा चुनाव और बिहार एसआईआर में वोट चोरी का आरोप लगाया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में लगातार हो रहे हंगामे को लेकर विपक्ष की आलोचना की। लोकसभा में बोलते हुए, रिजिजू ने कहा कि मानसून सत्र शुरू होने के बाद से, ये लोग (विपक्ष) लगातार नारे लगा रहे हैं। पिछले तीन दिनों से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के नायक – जिन्होंने अंतरिक्ष की यात्रा की और भारतीय ध्वज फहराया – को विपक्ष के कार्यों के कारण सम्मानित होने का अवसर भी नहीं दिया गया। यह वास्तव में शर्मनाक है। अपने हमले को और तेज करते हुए, किरेन रिजिजू ने जोर देकर कहा कि सरकार अपने एजेंडे के विधेयकों को चाहे कुछ भी हो पारित करेगी।

कासगंज, बाराबंकी और जौनपुर के जिलाधिकारी जिस तरह से हमारे एफिडेविट : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कासगंज, बाराबंकी और जौनपुर के जिलाधिकारी जिस तरह से हमारे एफिडेविट पर सक्रिय हो गए हैं। उससे यह तो साबित हो गया है कि

चुनाव आयोग की एफिडेविट न मिलने की बात झूठी निकली। उन्होंने कहा कि अब जिलाधिकारी इन पर सतही जवाब देकर खानापूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले में इन जिलाधिकारियों की संलिप्तता की जांच होनी चाहिए। ३ जिस तरह कासगंज, बाराबंकी, जौनपुर के डीएम हमारे 18000 शपथपत्रों के बारे में अचानक अति सक्रिय हो गये हैं, उसने एक बात तो साबित कर दी है कि जो चुनाव आयोग कह रहा था कि 'एफिडेविट की बात गलत है' मतलब एफिडेविट नहीं मिले, उनकी वो बात झूठी निकली। अगर कोई एफिडेविट मिला ही नहीं, तो ये जिलाधिकारी लोग जवाब किस बात का दे रहे हैं। अब सतही जवाब देकर खानापूर्ति करेनवाले इन जिलाधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच होनी चाहिए। कोर्ट संज्ञान ले, चुनाव आयोग या डीएम में से कोई एक तो गलत है ही ना? जो सीसीटीवी पर पकड़े गये हों उनके द्वारा अपने घपलों पर दी गई सफाई पर किसी को भी रत्ती भर विश्वास नहीं है। झूठ का गठजोड़ कितना भी ताकतवर दिखे पर आखिरकार झूठ हारता ही है क्योंकि नकारात्मक लोगों का साझा–गोरखधंधा अपने–अपने स्वार्थों की पूर्ति करने के लिए होता है, ऐसे भ्रष्ट लोग न तो अपने ईमान के सगे होते हैं,।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला, कैंप कार्यालय में कर रही थीं जनसुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। यह हमला उन पर तब हुआ, जब वह सिविल लाइंस स्थित कैंप कार्यालय में जनसुनवाई कर रही थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पर चिल्लाना शुरू कर दिया और उनको थप्पड़ भी मारा। इस दौरान काफी अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह एक बड़ी सुरक्षा चूक मानी जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी 41 वर्ष का राजेशभाई खिमजीभाई सकारिया है, जो गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का एक रिश्तेदार जेल में है और वह उनकी रिहाई के लिए प्रयास कर रहा है। इस संबंध में वह अपना पत्र लेकर मुख्यमंत्री के पास आया था। यह मामला कोर्ट में लंबित है। दिल्ली पुलिस आरोपी के बारे में और अधिक पता करने के लिए गुजरात पुलिस से संपर्क में है। जनसुनाई में मौजूद अंजली रमेजा ने बताया, जब यह घटना हुई, तब वह मुख्यमंत्री लोगों को सुन रही थीं। हमें पीछे से शोर सुनाई दिया, और जब तक हम मुड़े, पुलिस हमलावर को पकड़ कर ले जा चुकी थी। पत्रकार ने उनसे थप्पड़ मारे जाने की बात पूछी तो उन्होंने बताया कि हां, उनके ऊपर हमला हुआ था और रेखा जी पूरी तरह सदमे में

थीं। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि अचानक से हमला हो गया, जो गलत है। सूत्रों ने दिल्ली पुलिस के सूत्रों के हवाले से बताया कि मुख्यमंत्री पर पर एक भारी वस्तु फेंकी गई, जिससे वह जमीन पर गिर गईं थीं। आरोपी मौके पर कागज लेकर खड़ा था। उसने मुख्यमंत्री को थप्पड़ भी मारा, काफी गाली–गलौज की और धक्का दे दिया। उसने मुख्यमंत्री का हाथ पकड़कर खींचा, जिससे मुख्यमंत्री का सिर मेज से लड़ गया। मुख्यमंत्री फिलहाल चिकित्सा निगरानी में हैं।

लोकसभा में सरकार ने पेश किए तीन विधेयक, विपक्ष का जोरदार हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को भारी हंगामा देखने को मिला, जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीन विवादास्पद विधेयक सदन में पेश किए। ये विधेयक प्रधानमंत्री या किसी मुख्यमंत्री को उनके पद से हटाने से जुड़े हैं, अगर वे किसी गंभीर अपराध में गिरफ्तार होकर 30 दिनों तक जेल में रहते हैं। शाह ने जैसे ही ये विधेयक पेश किए, विपक्षी सांसदों ने विरोध करना शुरू कर दिया। उन्होंने विधेयकों की प्रतियां फाड़कर शाह की तरफ फेंकी। इसके साथ ही वे नारेबाजी करते हुए सदन के बीच में पहुंच गए। गृहमंत्री शाह ने स्पष्ट किया कि ये विधेयक जल्दबाजी में नहीं लाए गए हैं और इन्हें संसद की संयुक्त समिति

(जेपीसी) को भेजा जाएगा, जिसमें सभी दलों के सांसद सुझाव दे सकेंगे। शाह ने कहा, हम इतने बेशर्म नहीं हो सकते कि गंभीर आरोपों के बावजूद सांविधानिक पदों पर बने रहें। कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी जैसे विपक्षी सांसदों ने इस विधेयक का विरोध किया और इसे संविधान और संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। हंगामे के बीच लोकसभा को दोपहर तीन बजे तक स्थगित किया गया। जब सदन दोबारा शुरू हुआ तो शाह ने कहा कि इन विधेयकों को 31 सदस्यों वाली जेपीसी को भेजा जाएगा, जो अगले संसद सत्र से पहले अपनी रिपोर्ट देगी। लेकिन विपक्षी के विरोध के चलते सदन को फिर शाम पांच बजे तक स्थगित करना पड़ा। ये तीन विधेयक केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक 2025य संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 हैं। इनका मकसद यह है कि अगर प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को किसी गंभीर अपराध में गिरफ्तार कर लगातार तीस दिनों तक जेल में रखा जाता है, तो 31वें दिन वे अपने पद से हटा दिए जाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी ने गिरफ्तारी के बावजूद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था। एक विधेयक में प्रावधान है कि अगर कोई मंत्री लगातार तीस दिनों तक किसी ऐसे अपराध के आरोप में हिरासत में रहता है,।

कृषि मंत्री ने खाद की उपलब्धता पर सामने रखे आंकड़े

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में खाद की उपलब्धता को लेकर मचे हाहाकार के बीच कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने खाद की उपलब्धता को लेकर आंकड़े रखे। उन्होने कहा कि हम खाद की किल्लत नहीं होने देंगे। वहीं, कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यूरिया बिक्री में लापरवाही पर श्रावस्ती के जिला कृषि अधिकारी निलंबित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि महराजगंज, सिद्धार्थनगर में कई लोग जमाखोरी करते मिले हैं। जिला प्रशासन के माध्यम से उनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। इसी तरह कुशीनगर और देवरिया में जांच की गई थी। पता चला है कि ऐसे लोग 40, 50 बोरी खाद ले रहे हैं जबकि उनके पास कोई जोत ही नहीं है। इन पर कार्यवाही की जा रही है। खाद देने वाले लाइसेंस कर्ता को भी नोटिस दी गई है। कृषि मंत्री बुधवार को कृषि भवन में प्रेसवार्ता कर खाद उपलब्धता को लेकर जानकारी दे

रहे थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके समय में किसान खेती नहीं कर पा रहे थे। उनकी खराब नीतियों के कारण योगी सरकार को किसानों का काफी बकाया देना पड़ा है। अब किसान आत्महत्या नहीं कर रहा है। उसकी आमदनी बढ़ी है। 2016 व 17 में जितनी खाद वितरित की गई थी। उससे दोगुना खाद इस साल किसानों को दी गई है।

मुकाबला अब `वोट चोरी' और `वोट की रखवाली' के बीच है : तेजस्वी यादव

बिहार, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव आयोग द्वारा कथित 'वोट चोरी' को बिहार में मुख्य चुनावी मुद्दा बनाने के मकसद से 'वोट अधिकार यात्रा' शुरू कर दी है। राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ इन रैलियों में राहुल चुनाव आयोग और मोदी सरकार निशाना साधते हुए कह रहे हैं कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। नरेंद्र मोदी और भाजपा हर चुनाव जीतते हैं। लोकसभा में हमारा गठबंधन महाराष्ट्र में जीतता है और 4 महीने बाद वहां भाजपा गठबंधन जीत जाता है। जब हमने थोड़ी जांच की, तो पता चला कि लोकसभा चुनाव के बाद, चुनाव आयोग ने 'जादुई' तरीके से महाराष्ट्र में 1 करोड़ नए मतदाता बना दिए। लोकसभा और विधानसभा में 1 करोड़ मतदाताओं का अंतर था। हालांकि महाराष्ट्र में मतदाताओं की गड़बड़ी के राहुल के दावे की सेफोलॉजिस्ट संजय कुमार ने अपना ट्वीट वापस लेकर हवा निकाल दी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में दो सीटों पर वोटर डाटा की गणना में हमसे चूक हुई है। संजय कुमार ने ऐसा 'भूल स्वीकार' करने, ग्लानिवश अथवा किसी दबाव में ऐसा किया, यह अभी साफ नहीं है। लेकिन इस घटनाक्रम से सेफोलॉजिस्टों की साख भी सवालों के घेरे में आ गई है। उधर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए उनसे हलफनामा देकर आरोप लगाने को कहा है ताकि आरोपों की सत्यता की जांच की जा सके। उन्होंने राहुल के 'वोट चोरी ' जैसे शब्द प्रयोग को संविधान का अपमान बताया। बीजेपी भी चुनाव आयोग के साथ खड़ी है। वैसे राहुल गांधी के आरोपों में कतनी सच्चाई है, यह तो निष्पक्ष जांच से ही पता चलेगा और ऐसी कोई जांच होगी, इसकी संभावना भी कम है, लेकिन आजादी के बाद यह पहली बार है, जब चुनाव आयोग पर मैच 'रेफरी' की जगह' किसी टीम के सदस्य' के रूप में काम करने का गंभीर आरोप लगा है। संदेश जा रहा है कि आयोग जितना बता रहा है, उससे ज्यादा छुपा रहा है।

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने भरा उपराष्ट्रपति पद का पर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने आज बुधवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया. सीपी राधाकृष्णन के नामांकन के समय उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत एनडीए के कई कद्दावर नेता और अन्य सांसद उनके साथ पर्चा दाखिल करने के समय पहुंचे. बता दें कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होना है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नामांकन पत्रों के पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक थे. नामांकन 4 सेटों में दाखिल किया गया. प्रत्येक सेट में 20

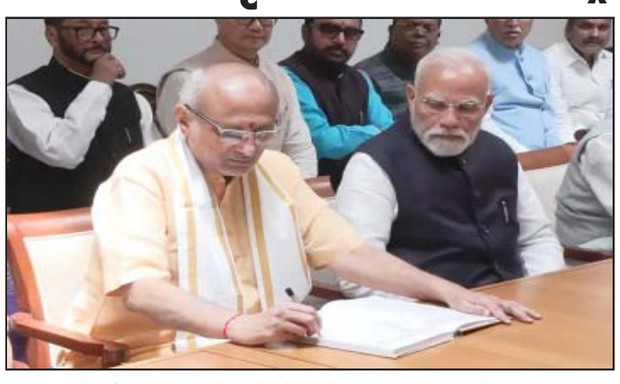

प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों के हस्ताक्षर थे. पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक के रूप में पीएम मोदी के हस्ताक्षर होंगे, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ एनडीए नेताओं के हस्ताक्षर थे. इस तरह से ये गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है. इस तरह से इस ब्लॉक के जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से सीपी राधाकृषणन की सीधी टक्कर होगी. संसद भवन में नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान मंत्रियों और सांसदों सहित एनडीए के लगभग 160 सदस्य मौजूद थे. गौर करें तो सीपी राधाकृष्णन को नामित करने का निर्णय केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के आवास पर एनडीए के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान सर्वसम्मति से लिया गया था. एनडीए के वरिष्ठ सहयोगी और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सर्वसम्मति से मिले समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा कि सभी उपस्थित नेताओं ने राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के लिए अपना पूरा समर्थन देने का संकल्प लिया था. इससे पहले रविवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक जीवन में सीपी राधाकृष्णन के योगदान की सराहना की और उन्हें विनम्रता, बुद्धिमत्ता और जमीनी स्तर से जुड़ाव वाला नेता बताया. सोशल साइट पर एक्स पर पोस्ट किए गए ।

संपादकीय

सेवा की सजा

इसमें दो राय नहीं कि जब भी मूल रूप से जेल की अवधारणा का विकास हुआ होगा, तो उसका मकसद भटके लोगों के जीवन में सुधार ही रहा होगा। किसी सभ्य समाज के कायदे–कानून तोड़ने वाले, भटके हुए लोगों को जेल के एकाकी जीवन में आत्ममंथन का समय देने का भी मकसद रहा होगा। साथ ही यह भी अहसास कराना होगा कि समाज से विलग रहने के क्या मायने हैं। वहीं दूसरी ओर जीवन मूल्यों व सामाजिकता का अहसास कराना भी मकसद रहा होगा। दरअसल, भारतीय न्याय संहिता, 2023 पर आधारित नई व्यवस्था छोटे अपराधों के लिए दोषियों को जेल भेजने के बजाय समाज सेवा करने का अवसर देती है। ताकि उन्हें अपनी गलती का अहसास हो और उत्तरदायित्व के साथ सामाजिकता का बोध हो सके। हरियाणा सरकार द्वारा जारी सामुदायिक सेवा दिशानिर्देश, 2025 की अधिसूचना आपराधिक न्यायिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। जिसका लक्ष्य दंड देने के बजाय सुधार व बदलाव है। ऐसे समय में जब देश की जेलें कैदियों की निर्धारित संख्या से कहीं अधिक बोझ उठा रही हैं। विचाराधीन कैदियों की संख्या 76 फीसदी से अधिक है, राज्य की यह पहल कम जोखिम वाले अपराधियों के लिये कारावास का सकारात्मक विकल्प प्रदान करती है। निस्संदेह, इस पहल का दायरा व्यापक होने के साथ ही उद्देश्यपूर्ण भी है। यह व्यवस्था कम संगीन अपराधों के लिये दोषियों को पार्कों के रखरखाव, अस्पतालों में मरीजों की सहायता करने, आंगनबाडिघ्यों में योगदान देने, ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण, स्वच्छ भारत तथा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसे राष्ट्रीय अभियानों में योगदान के लिये प्रेरित करती है। इस बाबत जारी दिशा–निर्देश किशोरों के लिये भी भूमिकाएं निर्धारित करते हैं। मसलन, नेशनल कैडिट कोर प्रशिक्षण, राष्ट्रीय सेवा योजना, पर्यावरण परियोजनाएं तथा महिलाओं के लिये प्रसूति वार्ड व शिशु देखभाल केंद्र जैसे सुरक्षित स्थानों पर सेवा करने का अवसर प्रदान करती है। निश्चय ही नई व्यवस्था जहां एक ओर अपराधियों को उनके अपराध का प्रायश्चित करने का अवसर प्रदान करती है, वहीं समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देती है। दरअसल, हरियाणा मॉडल के तहत की जाने वाली पहल, उसे अन्य राज्यों के प्रयासों से विशिष्टता प्रदान करती है। जैसे कि दिल्ली में 40 से 240 घंटे की सेवा निर्धारित करने वाली नीति से अलग, इसके परिचालन का विवरण, इसे विश्वसनीय बनाता है। इसके अंतर्गत बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो–टैग की गई तस्वीरें, वीडियो प्रमाण और प्रगति रिपोर्टिंग सत्यापन इसकी सार्थकता सुनिश्चित करती है। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों को गौशालाओं और वृद्धाश्रमों में सेवा करने की सजा और जम्मू की एक अदालत द्वारा अपराधियों को स्वास्थ्य केंद्र और पार्क की सफाई करने के लिये बाध्य करने का आदेश यह दर्शाता है कि सामुदायिक सेवा समाज को लाभ पहुंचाने के साथ ही भटके व्यक्ति के व्यवहार को कैसे नया रूप दे सकती है। निस्संदेह, इस सुधार अभियान को सफल बनाने के लिये सुरक्षा उपाय भी बेहद जरूरी हैं। इस बात में सावधानी बरती जानी चाहिए कि समाज में बार–बार अपराध करने वालों को इस व्यवस्था से बाहर रखा जाए। दूसरा, इससे जुड़ी निगरानी पारदर्शी और मजबूत होनी चाहिए। जिसमें सावधानी से निगरानी और चूक करने पर त्वरित दंड की व्यवस्था भी शामिल है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं इनकी भविष्य में सम्भावनाए

प्रोफे० जी०सी० पाण्डेय(अवकाश प्राप्त आचार्य, उ०प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरण विद्)

आज टेक्नालॉजी के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (कृ०बु०) एवं इण्टरनेट ऑफ थिंग्स में कार्य हो रहा है। कृ०बु० कम्प्यूटर विज्ञान की वह शाखा है जो कम्प्यूटर के, इन्सानों की तरह व्यवहार करने की धारणा पर आधारित है। कृ०बु० का प्रयोग षिक्षा में, क्षेत्र में ग्रेडिंग, रिकार्ड कीपिंग व अंक देने में, व्यापार में, ग्राहकों को तत्काल सेवा देने के लिए विनिर्माण क्षेत्र में अधिक उन्नत रोबोट का उपयोग, व्यापक रूप में किया जा रहा है। आज लगभग हर क्षेत्र में कृ०बु० का जिक्र होता है, जहाँ किसी काम को स्वयंचालित रूप से मनुश्य के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बिना पूर्ण किया जा सकता है। कुछ ऐसे क्षेत्रों में जिनमें मनुश्य के काम करने में जोखिम हो सकता है। इनका प्रयोग वरदान सिद्ध हुआ है। जहाँ अनेकानेक काम हैं, वही इसके कुछ नकारात्मक पक्ष भी है।

किसी भी निश्कर्श पर पहुँचने के पहले यह जान लेना जरूरी है कि कृ०वु० आखिर कहा हैं?

वेहद सरल षब्दों में कृ०बु० वह गतिविधि है, जिसके द्वारा मषीनों को बृद्धिमान बनाने का काम किया जाता है तथा बुद्धिमत्ता वह गुण हैं जो किसी इकाई को अपने वातावरण में उचित और दूरदर्षिता के साथ कार्य करने की सक्षम बनाता है। जब कोई मशीन एवं उपकरण परिस्थितियों के अनुकूल सीखकर समस्याओं को हल करता है तो कृ०बु० के दायरे में आता है। इसे विचार करने, नियोजन, सीखने, भाशा की प्रोसेसिंग, अवधारणा, गति, रचनात्मकता आदि का मिश्रण कहा जा सकता है।

जॉन मैकार्थी, कृ०बु० जनक के रूप में जाने जाते है। इस शब्द की खोज 1955 में की थी। 1955 में ही अमेरिकी कम्प्यूटर वैज्ञानिक और संज्ञानात्मक वैज्ञानिक जॉन ने इस पर कार्य किया था, लेकिन उस वक्त तकनीक में इतना विकास नहीं हुआ था। लेकिन अब उन्नत, एल्गोरिदम, कम्प्यूटिंग पावर स्टोरेज में सुधार के कारण आज कृ०बु० को लोकप्रिय और कामयाब बनाया जा सका है।

सामाजिक विचारणीय प्रश्न?

1. कृ०बु० मनुश्यों के लिए उत्कृश्ठ लाभ के साथ प्रभावषाली अनुप्रयोग उपरूद्ध करता है लेकिन सामजिक, राजनीतिक या नैतिक पहलुओं के साथ कई ऐसे अनुत्तरित प्रश्न है, जिसका उत्तर मिले बिना इस पर प्रष्नचिन्ह बना ही रहेगा। इसके व्यापक प्रयोग के ऐसे परिणाम हो सकते है जिनकी कल्पना भी नहीं की गई हैं।

2. कृ०बु० में मनुश्यों के स्थान पर मषीनों से काम लिया जायेगा, मषीन स्वयं ही निर्णय लेने लगेंगी अैर उन पर नियंत्रण नहीं किया गया तो इससे मनुश्य के लिए खतरा भी उत्पन्न हो सकता है।

3. वैज्ञानिक इसे सबसे बड़ा खतरा तब मानत है जब कृ०बु० के जरिये मशीन बिना मानवीय हस्तक्षेप के नैतिक प्रश्नों पर फैसला लेने लगेगी जैसेः जीवन, सुरक्षा, जन्म–मृत्यु, सामाजिक सम्बन्ध आदि से जुड़े फैसले।

4. स्टीफन हांकिन्स का भी यह कहना है कि मनुश्य हजारों वर्शों के धीमे जैविक विकास क्रम का परिणाम है जो कृ०बु० का मुकाबला नहीं कर सकता है।

5. बिल गेट्स का मानना है कि यदि मनुश्य अपने से बेहतर सोचने–समझने वाली मशीन बना लेगा तो वह मनुष्य के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकता है। षुद्धता निश्पक्ष का प्रश्न।

6. कृ०बु० प्रणालियाँ विषाल और वृहद मात्रा में डेटा का विष्लेशण कर ज्ञान अर्जित करती हैं तथा यह उपयोगकर्ता–प्रतिक्रिया के निरन्तर प्रारूपण के माध्यम से अनुकूलित होती रहती है। लेकिन इस परिदृष्य में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कृ०बु० की कलन–विधि को जिस प्रकार प्रशिक्षित किया जाता है वह निष्पक्ष या पूर्णग्रह से ग्रस्त नहीं है।

कृ०बु० के मानवीय प्रभाव

1. कृ०बु०, रोजगार पर प्रभाव डालेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक चीन अपने सकल घरेलू उत्पाद (जी०डी०पी०) का 26 प्रतिशत और ब्रिटेन 10 प्रतिषत निवेष कृ०बु० सम्बन्धित गतिविधियों और व्यापार पर करेगा। वही 2030 तक विष्व अर्थव्यवस्था में कृ०बु० 15.7 खरब डालर का योगदान करेगा। भारत की कृ०बु० के क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रहा हैं। आने वाले समय में कृ०बु० रोजगार के सामने कड़ी चुनौती पेष करेगी। इससे दुनिया भर में वकील, डाक्टर, इन्जीनियर तथा षिक्षिकों को बताया जा रहा है कि उन्नत तकनीक जल्द ही उनके पास होगी और मौलिक रूप से उनके काम की प्रकृति को बदल देगी तथा नई अर्थव्यवस्था रूप से सम्पन्न लोगों की माँग करेगी। देश में उच्च षिक्षा प्राप्त करने से सक्षम 1000 विद्यार्थियों में से मात्र 4 या 5 ही विज्ञान एवं प्रोद्यौगिक से अपने से उच्च अध्ययन का विशय बनाते हैं जो एक गहरी, चिन्ता का प्रष्न है? वर्तमान में भारत में 90 प्रतिषत कर्मचारी अनौपचारिक क्षेत्र में है और कृ०बु० से जन्मी आर्थिक उथल–पुथल का आसानी से षिकार बन सकते है। ऑटोमिषन के प्रसार के साथ ही संविदा नियुक्तियों की संख्या बढ़ेगी और वेतन में कमी आयेगी। निर्माण उद्योग से जुड़े अनेक श्रमिक, थ्री डी प्रिन्टंग तकनीक में आने के बाद बेकार हो जायेंगें। पूर्वी एषिया के देषों में रोबोट के जरिए होने वाली कृशि के सस्ते उत्पाद जब भारत में आने षुरू हो जायेंगें, तब भारत के किसानों की दुर्दषा होगी। वाहनों के क्षेत्र में पहले ही रोबोट प्रवेष कर चुका है। भारत के बैंक भी खर्चे नियंत्रित रखने के लिए मषीनीकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। कहते है कि इससे उत्पादकता बढ़ेगी और गलतियाँ कम होगी।

2. उच्च कौषल वाली नौकरियों की संख्या बढ़ेगी

एक आकड़े के अनुसार देष में आइटी और बी०पी०ओ० उद्यम में कम स्किल वाले कर्मियों की संख्या 2016 से घट कर 24 लाख रह गई थी जो 2022 में 17 लाख रह गयी थी। इसी स्टडी के अनुसार, कौषल वाली नौकरियों की संख्या 2022 तक बढ़कर 10 लाख थी, जो 2016 में 9 लाख थी। उच्च कौषल वाली नौकरियों की संख्या भी 2022 तक बढ़कर 5 लाख हुई थी जो 2016 में 3.20 लाख थी।

3. तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार की सम्भावनाएँ

अनुमान है कि आने वाले वर्शों में कृ०बु०, वर्चुअल रियलिटी, इण्टरनेट ऑफ थिंग्स, विग डाटा एनालिसिस तथा क्लाउड कम्प्यूटिंग जैसे तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार के मौके मिलेंगे। भारत के लिए प्रथम चुनौतियाँ अर्थव्यवस्था को ज्ञान आधारित बनाना होगा जिसके लिए जरूरत के अनुरूप शिक्षा के आधारभूत ढांचे पर व्यापक निवेष करना होगा। भारत की शिक्षा व्यवस्था के डिग्रियों को जाल को निकाल कर, कौशल आधारित बनाना होगा। औद्योगिक क्रान्ति से निपटने के लिए हमें ऐसे टाक्स फोर्स बनाने होंगे, जो बहुमायामी कौशल से युक्त हो।

4. रोबोट के द्वारा रोजगार न मिलने का खतरा

रोबोट द्वारा रोजगार को छिनने के खतरे से निपटनी होगी। रोबोट के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, कम्पनियों पर, जाँच परमिट फार रोबोट शुल्क लगाया जाय। तकनीकी बदलावों औ नवाचारों से सामंजस्य स्थापित कर दुनिया में औद्योगिक क्रान्ति लायी जाय। करीब 5 करोड़ तकनीक सक्षम कर्मचारी तैयार करना पड़ेगा तभी डिजिटल अर्थव्यवस्था अपनाकर बेरोजगारी की समस्या से, प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। चूँकि कृ०बु० भारत में षैषवास्था में है, इसलिए विकास में इसकी सम्भावनाओं को देखते हुए उद्योग जगत ने सरकार को सुझाव दिया है कि वह उन क्षेत्रों की पहचान करें, जहाँ कृ०बु० का इस्तेमाल लाभकारी होगा। कृ०बु० का प्रयोग स्वास्थ्य सुविधाओं में उत्पन्न व्यवधान को हल करने में मदद मिलेगा। कनेक्टिविटी की समस्या एवं स्वास्थ्य के देख–भाल क्षेत्र में प्रषिक्षित कर्मियों की कमी के चलते, कृ०बु० के प्रयोग से बीमारियों का पता लगाने, निदान सम्भावित महामारी की पहचान एवं इमेंजिग डायग्नोस्टिक्स को सरल बनाया जा सकता है। इसका इस्तेमाल विनिर्माण, व्यापार, शिक्षा, बैंकिंग, खेल, साइबर सुरक्षा व अन्तरिक्ष से जुड़ी खोजों में लाभदायक हो सकता हैं।

5. व्यक्तित्वता पर प्रभाव–

यदि कोई कम्पनी प्रषिक्षण डेटा सेट के माध्यम से जान–बूझकर या अन्य किसी प्रकार से ग्राहकों या उपयोगकर्ताओं के पक्ष में, पूर्वाग्रहों का प्रवेष करने में सफल हो जाय, तब क्या होगा? समेकित डाटा तक पहुच से न केवल किसी व्यक्ति के दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों, अन्तः क्रियाओं, आदि के विशय में जानकारी मिल सकती हैं। इस डेटा के माध्यम से कोई भी हमारी गतिविधियों, अतीत और पैटर्न अथवा किसी भी प्रकार की जानकारी हासिल कर सकता है। किसी व्यक्ति की ऑनलाइन गतिविधियों में डेटा तक पहुँच की सम्भावना देखे तो यह व्यक्तित्व में अधिकार को जोखिम में डाल सकता है। इनसे न केवल ऑनलाइन, बल्कि किसी ऑफलाइन उपयोगकर्ता का व्यक्तित्व का अधिकार खतरे में पड़ सकता है। यदि कोई, डिसकनेक्टेड यूजर नवविकसित स्मार्ट सिटी में किसी भी प्रकार की कोई गतिविधि कर रहा हो तो उसका इस दायरा से बच पाना कठिन है।

6. बेरोजगारी प्रौद्योगिक क्षेत्र में–

नई प्रौद्योगिकियों में आने से बेरोजगारी उत्पन्न हो सकती है। नई मषीन या प्रणालियों के आने से रोजगार का प्रतिस्थापन होगा इससे कार्य बल और बाजारों में महत्वपूर्ण परिवर्तन के साथ–साथ कार्य भूमिकायें और रोजगार चलन से बाहर हो जायेंगे तथा कुछ उद्योगों का स्वरूप बदल जायेगा एवं रोजगार प्रारूप और सम्बन्ध पुर्नपरिभाशित हो सकते हैं। श्रमबल को तीन औद्योगिक क्रान्तियो ने प्रभावित किया हैः

1. औद्योगिक श्रमबल की आवश्यकता औद्योगिक क्रान्ति में हाथ से काम भी करने थी।

2. प्रौद्योकिय श्रमबल की आवष्यकता औद्योगिक क्रान्ति की।

3. औद्योगिक क्रान्ति में श्रम बल के एक विशिष्ट समूह का निर्माण किया जिसे प्रबन्धकीय और प्रौद्योगिकी विद वर्ग के साथ में जाना जाता था।

4. चौथी औद्योगिक क्रान्ति को किस तरह मे श्रम बल की आवष्यकता होगी, लेकिन सम्भावना है कि पूर्व के तीनों क्रान्तियों की तुलना में यह बेरोजगारी में कही अधिक वृद्धि कर सकती है।

उक्त के संदर्भ में विश्व के विभिन्न हिस्सों में कदम उठाए जा रहे है अनुमानतः यह कहाँ जा सकता है कि कृ०बु० पर आधारित अनुप्रयोगों के विकास का आंकुश नहीं लगाया जा सकता लेकिन विभिन्न स्तरों पर निगरानी एवं विनियमन की व्यवस्था बनी रहनी चाहिए।

कृ०बु० टास्क फोर्स का गठन वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया है। इसका विजन यह है कि आर्थिक, राजनीतिक और कानूनी प्रक्रियाओं में कृ०बु० को अपनाना होगा ताकि भारत को कृ०बु० युक्त अर्थव्यवस्था में से एक बनने का लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता मिल सके।

विकास की गति देने और लोगों को बेहतर सुख–सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक क्षेत्र में अत्याधुनिकता का प्रयोग किया जा रहा है। बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और भूमण्डलीकरण ने जहाँ विस्तार की गति तेज किया है, वही इसने कई समस्याओं को भी जन्म दिया है, जिनका समाधान के लिए नित नये प्रयोग हो रहे है। जहाँ कृ०बु० अनेकानेक काम गिनाते है वह यह भी मानते है कि आने वाले दिनों में बड़ा नुकशान हो सकता है, क्योंकि उनका कार्य मषीन करेगी, जो स्वयं निर्णय लेगी और यदि उन पर नियन्त्रण नहीं किया गया तो मानव–सभ्यता के लिए हारिकारक हो सकती है। ऐसे में इनके प्रयोग से पहले लाभ और हानि दोनों का सन्तुलित करने की आवश्यकता होगी। विष्व भारत की आर्थिक महाशक्ति बनने को कोई रोक नहीं सकता।

..... विविध .....

दाल खाने के बाद क्यों फूल जाता है पेट

हम सबके खाने की थाली में दाल एक जरूरी हिस्सा होती है। प्रोटीन से भरपूर दाल शरीर को ऊर्जा देती है और सेहतमंद रखने में मदद करती है। लेकिन कई बार यही दाल पेट दर्द, गैस और ब्लोटिंग (पेट फूलना) की वजह भी बन सकती है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। आइए इन्हें आसान भाषा में समझते हैं।

दाल में मौजूद गैस बनाने वाले तत्व

दालों में ओलिगोसैकराइड्स नामक कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है, जिसे पचाना पेट के लिए आसान नहीं होता। जब ये आंत तक पहुंचते हैं तो बैक्टीरिया इन्हें तोड़ते हैं और इस प्रक्रिया में गैस बनती है। यही गैस कभी–कभी ब्लोटिंग और पेट दर्द का कारण बनती है।

2फाइबर की अधिकता

दालें फाइबर का अच्छा स्रोत हैं। लेकिन अगर कोई व्यक्ति ज्यादा मात्रा में दाल खा ले या फाइबर की आदत न हो तो पेट को इसे पचाने में मुश्किल होती है। नतीजा होता है भारीपन, अपच और पेट फूलना।

अधपकी दाल से परेशानी

कई बार दाल पूरी तरह पकाई नहीं जाती। अधपकी दाल पेट में भारीपन और गैस पैदा करती है क्योंकि इसमें मौजूद स्टार्च और प्रोटीन ठीक से टूट नहीं पाते। इससे पेट दर्द और कब्ज जैसी समस्या भी हो सकती है।

ज्यादा मसाले और तड़का

भारतीय दाल अक्सर तेल, मसाले और तड़के के साथ बनाई जाती है। जब ये मसाले पेट में जाते हैं तो गैस्ट्रिक जूस बढ़ा देते हैं, जिससे गैस और जलन की समस्या हो सकती है। खासकर अगर दाल में प्याज, लहसुन या ज्यादा मिर्च हो तो परेशानी और बढ़ जाती है।

खाने का तरीका और आदतें

अगर आप दाल को बहुत जल्दी–जल्दी खाते हैं, साथ में सोडा या कोल्ड ड्रिंक पीते हैं या रात को देर से दाल खाते हैं, तो भी पेट फूलने की समस्या हो सकती है। खाने की आदतें भी पेट के स्वास्थ्य पर असर डालती हैं।

लैक्टोज या ग्लूटेन इंटॉलरेंस से मिलते–जुलते लक्षण

कुछ लोगों को फूड इंटॉलरेंस की वजह से दाल सूट नहीं करती। जैसे, अरहर या चने की दाल खाने के बाद लगातार गैस और ब्लोटिंग होना इस बात का संकेत हो सकता है कि आपकी बॉडी इसे पचा नहीं पा रही है। ऐसे मामलों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्या करें दाल खाने से पहले?

दाल को अच्छी तरह धोकर कुछ देर पानी में भिगोकर रखें। दाल को अच्छी तरह पकाकर ही खाएं। शुरुआत में कम मात्रा लें, फिर धीरे–धीरे बढ़ाएं। हल्का तड़का करें और ज्यादा मसाले न डालें। अगर फिर भी दिक्कत हो तो डॉक्टर से चेकअप जरूर कराएं। दाल हमारी डाइट का जरूरी हिस्सा है, लेकिन हर शरीर की प्रतिक्रिया अलग होती है। अगर दाल खाने के बाद बार–बार गैस, पेट दर्द या ब्लोटिंग हो रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें और समय पर एक्सपर्ट की सलाह लें।

रोजाना फाउंडेशन लगाने से त्वचा का नुकसान

आज के जमाने में मेकअप महिलाओं के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। खासकर फाउंडेशन का इस्तेमाल चेहरे की त्वचा को एक समान टोन देने, दाग–धब्बों और असमान रंगत को छुपाने के लिए किया जाता है। फाउंडेशन से चेहरे का लुक निखरता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना फाउंडेशन लगाने से आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंच सकता है? यह आर्टिकल उन खतरों को विस्तार से समझाएगा, जो फाउंडेशन के निरंतर उपयोग से हो सकते हैं, साथ ही इन नुकसान से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी देगा।

फाउंडेशन क्या है और क्यों इस्तेमाल करते हैं?

फाउंडेशन एक प्रकार का मेकअप प्रोडक्ट है जो चेहरे की रंगत को एक समान बनाता है और त्वचा की खामियों को छुपाता है। यह कई तरह के फॉर्मूलों में आता है। लिक्विड, पाउडर, क्रीम या स्टिक के रूप में। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य चेहरे को एकदम फ्रेश, स्मूथ और चमकदार बनाना होता है।

रोजाना फाउंडेशन लगाने के नुकसान

1. पोर क्लॉगिंग

फाउंडेशन में कई बार भारी क्रीम्स और केमिकल्स होते हैं जो आपकी त्वचा के पोर्स को बंद कर देते हैं। पोर्स बंद होने से त्वचा सांस नहीं ले पाती और इससे पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। अगर पोर्स लगातार बंद रहे तो त्वचा की स्वाभाविक सफाई में बाधा आती है।

2. त्वचा की सांस लेने की क्षमता कम होना

त्वचा भी एक जिंदा अंग है जिसे ऑक्सीजन की जरूरत होती है। जब आप रोजाना फाउंडेशन लगाते हैं, तो त्वचा की सतह पर एक परत जम जाती है जो ऑक्सीजन के प्रवेश को रोकती है। इससे त्वचा का नेचुरल ग्लो कम हो जाता है और आपकी त्वचा दम तोड़ने लगती है।

3. त्वचा की जलन और एलर्जी

फाउंडेशन में मौजूद केमिकल्स, परफ्यूम और प्रिजर्वेटिव्स कई बार त्वचा के लिए एलर्जी पैदा कर सकते हैं। खासकर संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को फाउंडेशन से रैशेस, खुजली और सूजन जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस लिए रोज– रोज फाउंडेशन नहीं लगाना चाहिए।

4. त्वचा का रूखा होना

कई फाउंडेशन त्वचा से नमी सोख लेते हैं जिससे त्वचा रूखी, खुरदरी और बेजान दिखने लगती है। सूखी त्वचा पर फाउंडेशन ठीक से नहीं लगता, जिससे मेकअप का लुक भी खराब होता है।

5. त्वचा की उम्र जल्दी बढ़ना

फाउंडेशन में मौजूद कुछ हार्श केमिकल्स त्वचा के प्राकृतिक कोलेजन और इलास्टिन को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे त्वचा जल्दी बुढ़ाने लगती है और झुर्रियों, लाइनें पड़ने लगती हैं।

6. धूप से नुकसान और टैनिंग

अधिकतर फाउंडेशन में पर्याप्त नहीं होता, जिससे त्वचा सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षित नहीं रहती। इसके कारण त्वचा टैनिंग, डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों का शिकार हो सकती है।

7. त्वचा में बैक्टीरिया का विकास

रोजाना मेकअप के कारण त्वचा की सफाई ठीक से न हो पाये तो त्वचा में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इससे चेहरे पर फोड़े–फुंसी, संक्रमण और सूजन की समस्या हो सकती है।

फाउंडेशन लगाने से होने वाले और भी संभावित नुकसान

मुंहासे की समस्या बढ़नारू क्लॉग्ड पोर्स और त्वचा पर जमा मैल मुंहासे को बढ़ावा देते हैं।

त्वचा का रंग फीका पड़ना– लगातार केमिकल्स के संपर्क में रहने से त्वचा का प्राकृतिक रंग फीका पड़ सकता है।

त्वचा की संवेदनशीलता बढ़ना– केमिकल प्रोडक्ट्स की वजह से त्वचा और अधिक संवेदनशील हो जाती है और पर्यावरणीय कारकों का असर ज्यादा होता है।

फाउंडेशन लगाने से बचने और त्वचा को स्वस्थ रखने के टिप्स

1. हर दिन मेकअप हटाएं– रोजाना फाउंडेशन लगाने के बाद रात को सही तरीके से मेकअप हटाना बहुत जरूरी है। मेकअप रिमूवर या क्लीनिंग ऑयल का इस्तेमाल करें और चेहरे को गुनगुने पानी से धोएं। इससे पोर्स खुलेंगे और त्वचा सांस ले सकेगी।

2. हल्का फाउंडेशन या रोजाना के इस्तेमाल के लिए भारी और मोटे फॉर्मूले वाले फाउंडेशन की जगह हल्का, ऑयल फ्री और स्किन फ्रेंडली या टिंटेड मॉइस्चराइजर का चयन करें।

3. मॉइस्चराइजर और प्राइमर जरूर लगाएं – फाउंडेशन लगाने से पहले त्वचा को मॉइस्चराइजर से हाइड्रेट करें। प्राइमर लगाने से फाउंडेशन की परत त्वचा पर अच्छी तरह चिपकती है और मेकअप ज्यादा समय तक टिकता है।

4. साप्ताहिक स्किन केयर रूटीन अपनाएं – हफ्ते में एक या दो बार एक्सफोलिएशन और डीप क्लीनिंग करें ताकि मृत त्वचा की परत हटे और पोर्स साफ रहें। जिससे चेहरा चमकने लगे।

5. सनस्क्रीन का उपयोग करें – फाउंडेशन के ऊपर भी एक अच्छा वाला सनस्क्रीन लगाना न भूलें। यह त्वचा को न्ट किरणों से बचाता है और टैनिंग से रोकता है।

6. त्वचा को आराम दें रू सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन बिना फाउंडेशन के बिताएं ताकि त्वचा को सांस लेने का मौका मिले और वह पुनः स्वस्थ हो सके।

7. नेचुरल और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स चुनें – जिन फाउंडेशन में हानिकारक केमिकल्स नहीं होते, वे आपकी त्वचा के लिए बेहतर होते हैं। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से त्वचा को नुकसान कम होता है और नैचुरल ग्लो भी मिलता है।

फाउंडेशन का सही इस्तेमाल आपकी खूबसूरती को निखार सकता है, लेकिन इसका रोजाना और अधिक इस्तेमाल आपकी त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। पिंपल्स, ड्राईनेस, एलर्जी, और बुढ़ापा जैसे कई नुकसान फाउंडेशन के गलत और ज्यादा इस्तेमाल से हो सकते हैं। इसलिए मेकअप के साथ–साथ अपनी त्वचा की देखभाल पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। सही प्रोडक्ट चुनें, नियमित रूप से त्वचा की सफाई करें, और त्वचा को आराम भी दें।

अब वैदिक गणित और महिला स्वास्थ्य की पढ़ाई भी करेंगे इंजीनियर, संगीत और संस्कृत की भी ले सकेंगे शिक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के 750 से अधिक सरकारी व निजी इंजीनियरिंग, प्रबंधन व फार्मेसी संस्थानों में बीटेक, मैनेजमेंट व फार्मेसी के छात्र अब वैदिक गणित, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वसुधैव कुटुंबकम, खगोल विज्ञान, ज्योतिष, भारतीय संगीत व महिला स्वास्थ्य से जुड़ी विषयों की पढ़ाई करेंगे। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत माइनर व इलेक्टिव कोर्स के रूप में इनकी शुरुआत इसी सत्र से करने जा रहा है। विवि की हाल ही में हुई विद्या परिषद की बैठक में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू करने को हरी झंडी दी गई है। इसके तहत इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट व फार्मेसी के छात्रों को मुख्य विषय की पढ़ाई के साथ ही बहुमुखी विकास के लिए अन्य क्षेत्र की जानकारी भी कराई जाएगी। इसमें वे वैदिक गणित, संगीत, संस्कृत, विज्ञान, टाउन प्लानिंग एंड ऑर्किटेक्चर, वेलनेस एंड साइकोलॉजी आदि विषयों की पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए विवि के घटक संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू किए जाएंगे। इसकी शुरुआत फैकेल्टी ऑफ ऑर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (एफओएपी) से होगी। इसके लिए 50 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इस सेंटर से अन्य संस्थानों के छात्र ऑनलाइन पढ़ाई करेंगे। इसी तरह राजभवन की पहल पर महिला स्वास्थ्य से जुड़ी पढ़ाई भी माइनर कोर्स के रूप में की जा सकेगी। इसके लिए विवि ने तैयारी पूरी कर ली है। विवि प्रशासन के मुताबिक एफओएपी के बाद अन्य घटक संस्थानों में भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोलने की तैयारी है। इसी क्रम में कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों के साथ मिलकर दर्जन भर माइनर कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। इससे युवा उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार व समायोजित भी होंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान में भी चलेगा माइनर कोर्स

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) ने वैल्यू एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए कुछ मॉडल कॅरिकुलम तैयार किए हैं। इसी क्रम में अंतरिक्ष विज्ञान में माइनर कोर्स शुरू किया जाएगा। इसकी तैयारी चल रही है। ऐसे कोर्स करने के बाद छात्रों के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। भारतीय ज्ञान प्रणाली, समृद्ध सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं का संग्रह है।

नेपाल में 10 गुनी कीमत पर बेच रहे यूरिया, यूपी में खाद की किल्लत के बीच जमकर मुनाफा कमा रहे तस्कर

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में यूरिया के लिए हाहाकार मचा है। नेपाल से सटे प्रदेश के सात जिलों में खाद की किल्लत सबसे ज्यादा है लेकिन तस्करी से नेपाल के खेतों में बहार है। तस्कर यहां खाद की 10 गुना ज्यादा कीमत वसूलकर मोटी कमाई कर रहे हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को खुद खाद तस्करी के मामले में संवेदनशील सिद्धार्थनगर पहुंचकर कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके बाद भी तस्कर भारतीय खाद को नेपाल तक पहुंचा रहे हैं। इस खेल में 266.50 रुपये में मिलने वाली एक बोरी यूरिया नेपाल पहुंचते ही 1500 से 2000 रुपये की बिक रही है। इसी मोटी कमाई के कारण ही नेपाल सीमा से सटे पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज के साथ ही कुशीनगर, देवरिया, गोंडा, बाराबंकी, सहारनपुर, बरेली, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, बांदा, ललितपुर, मथुरा

और चंदौली में खाद का संकट गहरा गया है। महराजगंज में खुनुवा से लेकर रेंगहिया तक खाद की तस्करी किसी से छिपी नहीं है। नेपाल में यूरिया की प्रति बोरी कीमत 800 रुपये है लेकिन मधेश क्षेत्र में मांग की अपेक्षा आपूर्ति कम होने से कीमत 1500 से लेकर 2000 रुपये बोरी हो गई है। इसी का फायदा उठाने के लिए तस्करों ने कुछ किसानों, निजी खाद विक्रेताओं व समितियों के सचिवों से सांठगांठ कर खेल शुरू कर दिया। देवी पाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल शुक्ल का कहना है कि नेपाल से सटे सीमावर्ती जिलों के डीएम व एसपी को एसएसबी के साथ समन्वय बनाकर खाद के अवैध परिवहन की सूचना पर तत्काल कार्रवाई के लिए कहा गया है। अगर कहीं भी खाद तस्करी का मामला पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रावस्ती व बलरामपुर से आसानी से जा रही...

श्रावस्ती में तस्कर दुकानों से 400 से 500 रुपये में यूरिया खरीदकर साइकिल और दूसरे चोर रास्तों से नेपाल पहुंचा रहे हैं। यहां प्रति बोरी 1200 से 1500 रुपये मुनाफे की बात सामने आई है। बलरामपुर से यूरिया नेपाल के कोयलाबास, सिसवारा, ककरहवा, खबरी नाका, गुरुंग नाका, सुकली नाका के किसानों तक पहुंच चुकी है।

राम मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए लगाई जाएंगी तीन लिफ्ट, सितंबर से शुरू होगा काम

लखनऊ, (संवाददाता)। राम मंदिर भवन निर्माण समिति की तीसरे दिन की बैठक बुधवार को रामकथा संग्रहालय में शुरू हुई। बैठक से पहले समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मीडिया से बातचीत करते हुए एजेंडे की जानकारी दी। साथ ही कल की बैठक में हुई चर्चा पर भी विस्तार से बात की। कल की बैठक में मुख्य रूप से परकोटा और लोअर प्लिंथ पर समीक्षा की गई। रामकथा पर आधारित स्टोन म्यूरल्स को लोअर प्लिंथ में लगाने पर भी गहन चर्चा हुई। सितंबर से राम मंदिर में तीन लिफ्ट लगाने का काम शुरू होगा। लिफ्टें जल्द ही अयोध्या पहुंचने वाली हैं। परकोटे में अभी 45,000 क्यूबिक फीट पत्थर लगाया जाना बाकी है, जो आगामी छह सप्ताह में लगा लिया जाएगा। लोअर प्लिंथ में म्यूरल्स लगाने में थोड़ी तकनीकी चूक सामने आई है। रेलिंग के लिए आवश्यक स्थान का ध्यान नहीं रखा गया। अब यह कार्य सितंबर के अंत या अक्तूबर के पहले सप्ताह तक पूरा होगा। राम मंदिर आंदोलन में शहीद हुए लोगों के स्मारक के लिए स्थान चयनित राम मंदिर आंदोलन में शहीद हुए लोगों के स्मारक के लिए स्थान का चयन कर लिया गया है। स्मारक वहीं बनाया जाएगा, जहां से आंदोलन के पुरोधा अशोक सिंघल ने देश और दुनिया के रामभक्तों से राम जन्मभूमि की मुक्ति के लिए आंदोलन का आह्वान किया था। स्मारक पर किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिखा जाएगा। समिति का कहना है कि ये मंदिर राष्ट्र का मंदिर है, किसी एक व्यक्ति का नहीं। अस्थायी मंदिर को भी संरक्षित किया जा रहा है। यह मंदिर पुराने स्वरूप की तरह लकड़ी से ही बनाया जाएगा। इसे शीशे के कवच से ढका जाएगा। भूमि पूजन में प्रधानमंत्री की ओर से रखी गई शिला यात्री सुविधा केंद्र में स्थापित की जाएगी। इसमें केवल भूमि पूजन का उल्लेख होगा। नृपेंद्र ने साफ कहा है कि नवंबर तक यदि ट्रस्ट निर्माण की तिथि तय करता है तो निर्माण समिति की ओर से हर कार्य समय पर पूरा कर लिया जाएगा।

एससीएसटी का फर्जी केस दर्ज कराने वाले अधिवक्ता को उम्रकैद

लखनऊ, (संवाददाता)। जमीनी विवाद के चलते षड़यंत्र के तहत विरोधियों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट का झूठा मुकदमा दर्ज कराने वाले अधिवक्ता परमानंद गुप्ता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही एससी एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने परमानंद गुप्ता पर पांच लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने इस मामले में आरोपी बनाई गई पूजा रावत को बरी कर दिया है। अदालत ने पूजा रावत को ताकीद किया की अगर उसने भविष्य में परमानंद या किसी अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर एससीएसटी एक्ट के प्राविधानों का दुरुपयोग करके रेप या गैंगरेप के फर्जी मुकदमे दर्ज करवाए तो उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी। कोर्ट ने आदेश कि पुलिस कमिश्नर को भी निर्देश दिया कि वह सुनिश्चित करें कि जब भी एससीएसटी एक्ट और दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज हो तो इस तथ्य का भी उल्लेख किया जाए कि वादिनी या उसके परिवार के किसी सदस्य ने पूर्व में ऐसा कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराया है या कितने मुकदमे दर्ज कराए हैं। अगर कोर्ट से इससे संबंधित रिपोर्ट तलब की जाती है तो संबंधित थाने की

पुलिस इस संबंध में कोर्ट को अपनी रिपोर्ट में सूचना देना सुनिश्चित करें। कोर्ट ने अपने आदेश की प्रति जिलाधिकारी को भेजने का आदेश देते हुए कहा कि अगर यह मुकदमा दर्ज कराने के बाद मामले की वादिनी पूजा रावत को राज्य सरकार से कोई प्रतिकार मिला हो तो उसे तुरंत वापस लिया जाए। कोर्ट ने जिलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि केस दर्ज होते ही मामला नहीं बनता। विवेचना और चार्जशीट दायर होने के बाद मामला बनता है। एससीएसटी एक्ट का कानून बनाते समय विधायिका की मंशा यह नहीं थी कि झूठा मुकदमा दर्ज करने वाले शरारती तत्वों को प्रतिकार के रूप में करदाताओं के बहुमूल्य धन को दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि जिलाधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि मात्र रिपोर्ट दर्ज होने पर ही पीड़ित को राहत या प्रतिकर की राशि न दी जाए। मामले में पुलिस आरोप पत्र दायर कर दे तब ही प्रतिकर दिया जाए क्योंकि एफआईआर दर्ज होते ही प्रतिकर की धनराशि दिए जाने से झूठे मुकदमे दर्ज कराने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट आने के पहले पीड़ित को मात्र वस्तु, खाद्य, चिकित्सा, जल, कपड़े, आश्रय, परिवहन सुविधा, भरण पोषण और सुरक्षा आदि की सहायता दी जाए। ऐसे मामले में विवेचक की फाइनल रिपोर्ट लगने के बाद भी तब तक कोई सहायता न दी जाए जब तक कोर्ट विपक्षी को आरोपी के रूप में तलब न कर ले। विभूतिखंड के तत्कालीन एसीपी राधारमण सिंह ने कोर्ट में परिवाद दायर कर पूजा रावत और परमानंद गुप्ता को आरोपी बनाया था। परिवाद में कहा गया था कि 18 जनवरी 2025 को पूजा रावत ने कोर्ट के आदेश से विभूतिखंड थाने में अरविंद यादव और अवधेश यादव के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। चूंकि पूजा रावत एससी एसटी समुदाय की थी। लिहाजा, मामले की विवेचना एसीपी ने की। विवेचना में पता चला की पूजा वारदात वाले दिन घटना स्थल पर ही नहीं थी। पूजा ने एक षड्यंत्र के तहत जमीनी विवाद के चलते परमानंद गुप्ता का सहयोग करने के लिए अवधेश आदि के खिलाफ झूठा केस दर्ज करा दिया था। इसपर विवेचक ने आरोपी पूजा और परमानंद के खिलाफ कोर्ट में परिवाद दायर किया। मामले की सुनवाई के दौरान पूजा रावत ने कोर्ट में अर्जी देकर बताया कि वह गोरखपुर की रहने वाली है और एक ब्यूटीपार्लर सहायिका के रूप में काम करती है। लखनऊ आने पर आरोपी परमानंद और उसकी पत्नी ने अपने जाल में फंसा कर उससे अपने विरोधी अरविंद यादव और उसके परिवार के खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसपर कोर्ट ने पूजा रावत को क्षमादान देते हुए उसे बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि करीब दो सप्ताह पहले अखबारों में कानपुर नगर की घटना प्रकाशित हुई।

संक्षिप्त खबरें

वेल्डर, फिटर व प्लंबर में कम हुए प्रवेश

लखनऊ, (संवाददाता)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रवेश जारी है। चार चरणों की हुई प्रवेश काउंसिलिंग में आधुनिक व्यावसायिक कोर्स में प्रवेश अधिक हुए हैं। पारंपरिक कोर्स के प्रति विद्यार्थियों में कम रुचि देखी गई है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एडवांस सीएनसी मशीन, ऑटो मोबाइल, ईवी जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा है। वेल्डर, वायरमैन, प्लंबर जैसे पाठ्यक्रमों में कम प्रवेश हुए हैं। विभाग के अनुसार, आधुनिक कोर्स में रोजगार के अवसर ज्यादा हैं और कंपनियों को इस तरह के कोर्स करने वाले युवाओं की मांग है। यही वजह है कि कंपनी की अनुरूप व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स में विद्यार्थी प्रवेश में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं।

दास्तान ए अवध के तहत दी कथक व नृत्य नाटक की प्रस्तुति

लखनऊ, (संवाददाता)। कैफी आजमी अकादमी सभागार में बीते दिनों नृत्य समूह त्रिलय की ओर से दास्तान ए अवध के तहत कार्यक्रम हुए। इस दौरान कलाकारों ने शाही दरबार से लेकर आधुनिक मंच के जरिये कथक, संगीत व नृत्य नाटिकाओं की प्रस्तुति दी। इनमें सिमरन कश्यप,प्रीति तिवारी, गौरी शर्मा की अहम भूमिका रही। इस दौरान वरिष्ठ रंगमंच कलाकार डॉ. अनिल रस्तोगी शामिल हुए।

डिजिटल झांकी में उतरा श्रीकृष्ण–रुक्मिणी का विवाह

लखनऊ, (संवाददाता)। मित्तल परिवार की ओर से अमीनाबाद रोड स्थित न्यू गणेशगंज में छह दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और डिजिटल मूविंग झांकियों में भगवान कृष्ण की लीलाओं के अलग–अलग देखने को मिल रहे हैं। चौथे दिन श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह का दृश्य दिखाया गया। झांकी के संयोजक अनुपम मित्तल ने बताया कि द्वारिका राजमहल की भव्य सभा में कई देशों के राजा और मंत्रीगण अपने सिंहासन पर विराजमान थे। इस दौरान जब भगवान श्रीकृष्ण को रुक्मिणी ने जयमाल पहनाई तो द्वारिका का राजमहल वैवाहिक मांगलिक गीतों से गूंज उठा। श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह संपन्न होने पर पुष्पवर्षा हुई। वहीं दूसरी ओर मुंबई की तर्ज पर बच्चों की 20 फी ऊंची दही मटकी फोड़ प्रतियोगिता हुई। विजयी टीम को मित्तल परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। अन्य झांकियों में निधिवन में झूले का आनंद उठाते राधा कृष्ण, कालिया नाग पर नृत्य करते का नटखट कान्हा के अलावा राक्षसी पूतना का वध करते कान्हा की स्थायी झांकी सजाई गई है। 20 फीट ऊंचे शिवलिंग से गंगा अवतरण के अलावा सीना चीरते हनुमानजी के हृदय में श्रीराम व देवी सीता के दर्शन की स्वचालित झांकी भी आकर्षण का केंद्र बनी है। भालू–बंदर नचाते और सांप का खेल दिखाते मदारी की झांकी के साथ राम नाम जपते तुलसीदास, माखन चोरी करने पर कन्हैया को छड़ी लेकर दौड़ाती यशोदा माता की चलती–फिरती झांकी सबको लुभा रही है। ऑपरेशन सिंदूर का सेल्फी कॉर्नर भी आकर्षक है।

पूरे प्रदेश में खाद का संकट, कई जगह हुए प्रदर्शन पुलिस ने भांजी लाठियां

लखनऊ, (संवाददाता)। कृषि विभाग का दावा है कि हर जिले में सात से 10 दिन का यूरिया का स्टॉक मौजूद है। जबकि, हकीकत यह है कि यूरिया के लिए कहीं प्रदर्शन हो रहा है तो कहीं किसान कतार में खड़े नजर आ रहे हैं। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक करीब 16 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है, जिसमें करीब छह लाख मीट्रिक टन यूरिया मौजूद है। कई कंपनियों की रैक रास्ते में है, जो दो दिन में पहुंच जाएंगी। इस बीच कई जिलों में स्थानीय स्तर पर वितरण की नई रणनीति बनाई गई है। इसके तहत जिन समितियों पर मंगलवार को यूरिया का वितरण किया गया है, वहां बुधवार के बजाय बृहस्पतिवार को वितरण किया जाएगा। बुधवार को दूसरी समितियों पर खाद वितरण किया जाएगा। इस रोस्टर से पूरे जिले की समितियों पर खाद वितरण बारी– बारी से होता रहेगा। इस बीच मंगलवार को अयोध्

या में यूरिया वितरण के दौरान हंगामा हुआ। खंडासा के कुरावन सहकारी किसान केंद्र पर पुलिस ने लाठी भाजते हुए स्थिति नियंत्रित की। साधान सहकारी समिति जजवारा अड़सठ पर धक्का–मुक्की के दौरान सचिव को चोट आई है। साधन सहकारी समिति तेलियागढ़ पर किसानों ने प्रदर्शन किया। बाराबंकी में 6599 मीट्रिक टन यूरिया मौजूद होने का दावा किया गया है। यहां रोस्टरवार समितियों पर खाद बांटने की रणनीति अपनाई गई है। बलरामपुर में साधन सहकारी समितियों पर सुबह से ही किसान लाइन लगाए नजर आए। सुल्तानपुर, अमेठी, सीतापुर, गोंडा में सुबह से ही किसान लाइन लगाए रहे। सिद्धार्थनगर में टोकन की व्यवस्था से खाद बांटी जा रही है। बृहस्पतिवार को 1600 मीट्रिक टम अतिरिक्त यूरिया पहुंच रही है। साधन सहकारी समिति बेल्टीकर पर मंगलवार को राजस्व निरीक्षक और पुलिस की मौजूदगी में खाद बंटवाई गई। यहां की सहकारी समिति सेहुड़ा कटहना सहित अन्य समितियों पर अभी तक खाद नहीं पहुंची है। ऐसे में दूसरी समितियों पर भीड़ लग रही है। महराजगंज जिले में एक ही किसान अलग– अलग समिति पर यूरिया के लिए लाइन लगाए देखे गए हैं। इस वजह से भी समस्या बढ़ी है। देवरिया में161 समितियों पर अभी तक 17 हजार के सापेक्ष 15,636 मीट्रिक टन खाद भेजी गई है। इस वजह से यहां किसानों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बस्ती में मंगलवार को कई स्थानों पर पीओएस मशीन का सर्वर प्रभावित रहा, जिसकी वजह से खाद का वितरण नहीं हो पाया। जिले में 24 जुलाई तक वितरण लक्ष्य की अपेक्षा 56 प्रतिशत अधिक बांट का वितरण हो गया। जांच के दौरान पता चला कि वितरण में बड़े पैमाने पर धांधली हुई थी। सोनभद्र के कोन ब्लाक में मंगलवार को एआर कोआपरेटिव देवेंद्र प्रताप सिंह व बीडीओ जितेंद्र नाथ दुबे की मौजूदगी में यूरिया बंटवाई गई। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस भी मौजूद रही। दिनभर में करीब 200 किसानों को खाद मिली, जबकि 300 से अधिक लौट गए। समितियों पर 267 रुपये प्रति बोरी मिलने वाली यूरिया निजी दुकानदार 400 से 500 रुपये में बेच रहे हैं। किसानों को जिंक या सल्फर भी थमाया जा रहा है। कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ खाद वितरण को लेकर बैठक की गई है। निजी कंपनियों से लगातार बात की जा रही है। दो दिन में अतिरिक्त रैक आ जाएगी। अभी भी जिलों में पर्याप्त खाद मौजूद है। किसानों से अपील है कि वे परेशान न हों। अपनी जरूरत के हिसाब से ही खाद लें। घर में न रखें। किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरकों आसानी से मिलते रहे, इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जिला स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जा रहा है। कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। कृषि विभाग सभी संबंधित एजेंसियों से मिलकर काम कर रहा है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आए और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके।

बाढ़ का गंदा पानी पीकर निमोनिया का शिकार हो रहे मवेशी

लखनऊ, (संवाददाता)। इटौंजा के गांव इकडरिया में बाढ़ का गंदा पानी पीकर मवेशी निमोनिया का शिकार हो रहे हैं। जानकारी होने पर पशु चिकित्सक की टीम ने गांव पहुंच कर वहां स्थिति का जायजा लिया। मृत व बीमार मवेशियों के पशु पालकों से बातचीत कर उनका के मवेशियों की मौत हो गई है। इसके अलावा कुछ ग्रामीणों के पशु बीमार चल रहे हैं। एडीएम के निर्देश पर मंगलवार को पशु चिकित्सकों की एक टीम ने गांव पहुंच कर संबंधित पशु पालकों से बातचीत कर स्थिति जानी। टीम ने सात मृत मवेशियों की रिपोर्ट प्रशासन

डेटा कलेक्ट किया। इसके अलावा सुल्तानपुर, बहादुरपुर क्षेत्र के मार्ग पर अभी भी बाढ़ का पानी तेज रफ्तार से बह रहा है। इकडरिया कला व खुर्द गांव में कुछ किसानों को भेजी है। पशु चिकित्सक दिग्विजय सिंह यादव ने दावा किया कि इन सभी सात पशुओं की मौत गलाघोंटू बीमारी से नहीं बल्कि बाढ़ का गंदा पानी पीने से हुई है। पशु चिकित्सक के इस दावे के बाद अब यहां पशुपालकों के सामने मवेशियों के साथ–साथ ग्रामीणों के लिए भी साफ पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। किसानों का कहना है चारों तरफ बाढ़ का पानी भरा है। हैंडपंप व सबमर्सिबल से बाढ़ का पानी निकल रहा है। ऐसे में साफ सुथरा पीने का पानी कहां से लाएं। वहीं सुल्तानपुर और बहादुरपुर गांव में बाढ़ के दौरान किसी भी मवेशी की मौत न होने की रिपोर्ट पशु चिकित्सक करुणेश उपाध्याय ने प्रशासन को भेजी है, जबकि तीन दिन पहले सरोसे की बीमार भैंस के बच्चे की मौत हो गई थी। कई पशुपालकों के मवेशी अभी भी बीमार हैं। प्रशासन का दावा है कि बाढ़ग्रस्त गांवों में एक मोटर बोट सहित 13 नाव की व्यवस्था ग्रामीणों के आवागमन के लिए की गई है। खासकर स्कूली बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उनके नाव से आवागमन में विशेष सतर्कता बरती जा रही है,

किशोरी से परिचित ने किया दुष्कर्म, विरोध पर धमकाया

लखनऊ, (संवाददाता)। बंथरा के गांव में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी परिचित लालच देकर जंगल ले गया और वहां दुष्कर्म किया। विरोध करने पर धमकाया भी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी के पिता के अनुसार शनिवार को उन्नाव के असोहा निवासी रिश्तेदार की मौत पर वह पत्नी के साथ गए थे। घर पर किशोरी भाई व दो छोटी बहनों के साथ थी। आरोप है कि शनिवार सुबह 10 बजे परिचित विनोद रावत उनके घर पहुंचा और किशोरी को गांव से कुछ दूर जंगल में रुपयों से भरा संदूक पड़ा होने का झांसा देकर बाइक पर बैठाकर ले गया। अंबरपुर स्थित जंगल में विनोद ने उससे दुष्कर्म किया। किशोरी ने शोर मचाने की कोशिश की तो उसका मुंह दबा दिया। वारदात के बाद वह किशोरी को घर छोड़ गया। माता–पिता के लौटने पर किशोरी ने घटना के बारे में बताया। परिजनों ने बंथरा थाने में दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कराया। इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह ने बताया कि मंगलवार को बंथरा– बिजनौर रोड स्थित चनखरा के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

चिकित्सा शिविर में 320 मरीजों को मिला इलाज

लखनऊ, (संवाददाता)। एएमयू ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन (अमूबा) और ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन के निशुल्क शिविर में 320 रोगियों का इलाज कर निशुल्क दवाएं दी गईं। 175 का चेस्ट का एक्सरे निशुल्क किया गया। सदर कैंट स्थित सब्जी मंडी में लगे शिविर में डॉ. अनिल कुमार, डॉ. आयुशी कमल, डॉ. फैसल समेत आदि ने मरीजों की जांच की। इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष अनीस अख्तर ने बताया कि मेदांता के प्रबंधक महेंद्र कर्नाटकर ने चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की। मुख्य रूप से मौलाना अफ्फान अतीक फिरंगी महली, अमूबा की सचिव शहला हक, मिशन के अध्यक्ष सैयद इकबाल हाशमी, एडवोकेट फैजान फिरंगी महली, मौलाना गुलाम अहमद रजा असीरी आदि मौजूद रहे।

परास्नातक में प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू, 25 अगस्त तक मौका

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के शैक्षणिक सत्र 2025–26 में स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया मंगलवार को शुरू हो गई। विवि की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक इच्छुक छात्र–छात्राएं ीजजचेरूध्ध्इइंनबमजं.उंतजी.मकन.पदध्चहध् लिंक के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। इसकी अंतिम तिथि 25 अगस्त है। सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर

वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्र–छात्राओं के लिए पंजीकरण शुल्क 500 रखा गया है। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण शुल्क 300 है। बता दें कि इससे पहले सीयूईटी के माध्यम से सीटों को भरा जाना था। जब सीयूईटी से पर्याप्त आवेदन नहीं मिले तो विश्वविद्यालय ने सीधे पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की है।

'नवनियुक्त क्षेत्राधिकारी आईपीएस आलोक राज नारायण ने संभाला कार्यभार'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' शाहाबाद क्षेत्र के क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार मिश्रा के स्थानांतरण के बाद बिहार प्रदेश के जनपद नवादा के मूल निवासी आईपीएस अधिकारी आलोक राज नारायण को शाहाबाद क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवागत क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी को शाहाबाद क्षेत्र का क्षेत्राधिकारी बनाकर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईपीएस आलोक राज नारायण की प्रारंभिक नियुक्ति शाहाबाद में क्षेत्राधिकारी के पद पर की गई। बुधवार को पत्रकार विष्णुकांत बाजपेई से अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाया जायेगा। अपराध नियंत्रण उनकी प्राथमिकता होगी। कानून व्यवस्था का पालन कराया जायेगा और पीड़ित व्यक्ति को यहाँ से न्याय मिलेगा। कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

'पीसीएस अंकित तिवारी प्रारंभिक नियुक्ति बने एसडीएम शाहाबाद'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' शाहाबाद तहसील की एसडीएम तान्या सिंह के गैर जनपद स्थानांतरण के बाद जिलाधिकारी अनुनय झा ने शाहाबाद तहसील की जिम्मेदारी उपजिलाधिकारी अंकित तिवारी को सौंपी है।अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में तहसील का कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने तहसील परिसर का गहनता से निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाई खामियों के लिए संबंधित को दिशा निर्देश भी दिये। बुधवार को पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी साथ ही उन्होंने बताया कि शासन की मंशानुरूप वह प्रतिदिन अपने कार्यकाल में बैठकर जन समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी और सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया जायेगा।इसके लिए राजस्व की टीम गठित कर अभियान चलाया जाएगा। आपको बता दें कि नवनियुक्त एसडीएम अंकित तिवारी (पीसीएस) ने उत्तरप्रदेश 2023 पीसीएस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अच्छी रैंक हासिल कर निर्धारित अवधि का प्रशिक्षण प्राप्त कर शासन द्वारा उन्हें प्रारंभिक नियुक्ति जनपद हरदोई की तहसील शाहाबाद में एसडीएम के पद पर मिली। नव नियुक्त उपजिलाधिकारी जनपद प्रतापगढ़ जिले के मूल निवासी हैं। लोगों का मानना है कि मृदुभाषी,कुशल नेतृत्व, एवं व्यक्तित्व के धनी नवनियुक्त एसडीएम अंकित तिवारी के आने से जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं पीड़ितों को न्याय के लिए इधर–उधर भटकना नहीं पड़ेगा।

मरकजी सीरत कमेटी ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला अधिकारी को दिया ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मरकजी सीरत कमेटी के तत्वाधान में होने वाले जौनपुर के ऐतिहासिक तारीखी जुलूस एवं जलसा जश्ने योमुन्नबी (स0अ0व)को सकुशल संपन्न बनाने के लिए जिला अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। इस जुलूस को इस्लाम के आखिरी पैगंबर मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मदिवस के अवसर पर मनाया जाता है। जौनपुर में यह जुलूस एवं जलसा चंद्र दर्शन के अनुसार 5 य 6 सितंबर को मनाया जाएगा। जिसे देखने के लिए हर वर्ष की तरह भारी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होती है। दूर दराज से भी महिलाएं बच्चे सभी उपस्थित रहते हैं। जुलूस की शुरुआत शाही ईदगाह से शुरू होकर शाही अटाला मस्जिद पर खत्म होती है। यह प्रक्रिया रात भर चलती है। इसी के चलते मरकजी सीरत कमेटी का एक डेलिगेशन जिला अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर विभिन्न मांगों को रखा है। उनकी प्रमुख मांगे शहर में उचित लाइटों का प्रबंध अग्निशमन एम्बुलेंस साफ सफाई पर्याप्त पुलिस बल रूट डायवर्जन एवं सड़कों पर गड्ढे को भरने की मांग की है। इस मौक पर मजहर आसिफ अब्दुल अहद ष्मुन्ने डा. हसीन बब्लू डा० शकील अहमद अरशद कुरैशी जफर मसूद हफीज शाह शौकत अली ष्मुन्ना राजा तौफीक अली बाला शहाबुद्दीन विद्यार्थी दिलदार अहमद दानिश इकबाल यदि लोग मौजूद रहे।

विभाग द्वारा तय मानक पर खड़े न उतरने वालों पर होगी कार्यवाही – मानिक चंद्र

अयोध्या।जिले में शीघ्र खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले प्रतिष्ठानों के स्वामियों पर शिकंजा कसा जाएगा। इसके लिए शीघ्र ही आवश्यकता अनुसार टीम का गठन कर जिले में एक साथ छापा मारने का अभियान चलाया जाएगा।जिसका नेतृत्व वे खुद करेंगे।इस बात की जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मानिक चंद्र सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि वैसे तो प्रमुख पर्वों के साथ–साथ बीच–बीच में मिलावट करने वाले प्रतिष्ठानों पर विभाग द्वारा शिकंजा कसा जाता है। जिसका नतीजा यह रहा कि इधर पिछले एक महीने में एक दर्जन से अधिक कई ऐसे बड़े प्रतिष्ठान पाए गए जो कई वर्षों से चोरी छिपे बिना लाइसेंस के अपना प्रतिष्ठान चला रहे थे।ऐसे लोगों पर विभाग द्वारा विधि कार्यवाही की गई है। बताया कि लोगों को लाइसेंस बनवाने के लिए बीच–बीच में कैंप का भी आयोजन किया जाता है।शीघ्र ही एक बार फिर आने वाले दिनों में कैंप का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने सभी प्रतिष्ठानों से मिठाइयों या अन्य प्रतिष्ठा के स्वामियों से अपील किया है ।

निरीक्षण के दौरान डीआईओएस ने एक कोचिंग सहित अवैध रूप से संचालित पांच विद्यालयों पर की कार्यवाही

अयोध्या। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने प्रदीप कुमार के साथ बुधवार को कई कोचिंग व विद्यालयों मे निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने अवैध रूप से चल रहे एक कोचिंग सहित बिना मान्यता के संचालित पांच कसी कॉलेज को नोटिस जारी करते हुए अगले आदेश तक बंद करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी ने बताया की कार्यालय में प्राय या शिकायत आ रही थी कि जिले में काफी संख्या में अवैध रूप से कोचिंग के साथ–सा द विद्यालयों का संचालन हो रहा है।जिसके चलते यह कार्यवाही की गई बताया कि शहर के ''सिग्मा कोचिंग क्लासेज एवं सिग्मा लाईब्रेरी'' नाका प्रयागराज हाइवे अयोध्या में अवैध रूप से संचालित पाई गई। इस कोचिंग के संचालक श्यामू गुप्ता पुत्र देवी दयाल नारायणपुर अयोध्या को तत्काल बन्द करने के निर्देश दिए गये।अगर दुबारा बिना पंजीकरण के यह कोचिंग संचालित पायी जायेगी तो फिर जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान गायत्री सर्वोदय विद्यालय खनुवावां कछौली, पूरा अयोध्या में प्राथमिक स्तर की मान्यता प्राप्त है किन्तु कक्षा 12 तक अवैध कक्षाएं संचालित होती पायी गयी।इसी तरह जनता उ0मा0विद्यालय गयासपुर अयोध्या बेसिक शिक्षा विभाग से एडेड संस्था है इस विद्यालय में मानव सम्पदा से शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारी अवकाश नहीं लेते है प्रधानाचार्य शेषमणि सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालय में मानव सम्पदा हेतु निर्गत आदेश की जानकारी नहीं है और न ही प्रभावी है।विद्यालय में मानक के अनुरूप शिक्षण कक्ष नहीं है।प्रधानाचार्य द्वारा कोई भी अभिलेख नहीं प्रस्तुत किया जा सका विद्यालय में निःशुल्क पाठ्य पुस्तके छात्रध छात्राओं को वितरित नहीं है।वही समर पब्लिक स्कूल नागपाली तारून अयोध्या में सी0बी0एस0सी0 बोर्ड से मान्यता प्राप्त नहीं है फिर भी सी0बी0एस0सी0 बोर्ड की पुस्तकों से अध्ययन कार्य कराया जा रहा था।निरीक्षण के दौरान शिवनायक एजूकेशनल इंस्टीयूट्स सजहरा भवानीपुर अयोध्या अवैध रूप से कक्षा 01 से 12 तक संचालित पायी गयी। प्रधानाचार्य एवं प्रबन्धक विद्यालय में उपस्थित नहीं थे।

वही शिवाजी जूनियर हाई स्कूल रामपुर भगन अयोध्या में अवैध रूप से कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाए संचालित पायी गयी प्रधानाचार्य एवं प्रबन्धक विद्यालय में उपस्थित नहीं थे। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान कुछ विद्यालयों को नोटिस जारी किया गया है और कुछ विद्यालयों तथा कोचिंग को अगले आदेश तक बंद करने का निर्देश दिया गया है।

शत– प्रतिशत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति सुनिश्चत करें विभाग: डीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 20अगस्त। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को छात्रवृत्ति योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला आयोजित हुई। यह कार्यशाला विद्यार्थियों को शत–प्रतिशत छात्रवृत्ति दिलाने में आने वाली समस्याओं को लेकर की गई थी। इसमें जनपद के विद्यालय और महाविद्यालय से आए शिक्षकों और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि कर्मचारियों की संवेदनशीलता और सक्रियता के चलते इस वर्ष 98: विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिली है। उन्होंने इसकी सराहना की। उन्होंने छात्रवृत्ति योजना के पारदर्शी व प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि बिना किसी दिक्कत के हर पात्र विद्यार्थी को योजना का लाभ मिले। इसमें प्रशासन हर स्तर पर विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान करेगा।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने जिलाधिकारी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में तिरंगा यात्रा से जिले ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। साथ ही कहा कि डीएम सर विद्यार्थी जीवन से ही सक्रिय रहते थे। उनकी कार्यशैली से तिरंगा यात्रा में जो उपलब्धि मिली है उससे पूरा जिला गौरवान्वित है। उन्होंने विद्यालयों से अपील की कि छात्रवृत्ति फार्म सही–सही भरवाने के लिए प्रत्योक संस्थान विशेष पटेल खोलें, ताकि कोई भी छात्र वंचित न रहे। हालांकि मेरा विश्वविद्यालय इस मामले में प्रतिबद्ध है कि योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों को समय से मिल सके, ताकि उनकी शिक्षा में कोई आर्थिक व्यवधान न आएं।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा और समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने छात्रवृत्ति से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। बताया कि रिनुअल विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति 2 अक्टूबर और 26 जनवरी तक खातों में पहुंच जाएगी। विद्यालयों से कहा गया कि 31 अगस्त तक आवेदन प्रस्तुत करें, जिससे अधिकतम विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। अभी तक कि इसमें जो स्थिति अब तक थी उस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। कहा कि दस दिन का समय है इसे लोग प्राथमिकता के आधार पर पूरा कर लें। अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव और संचालन सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी अजय अम्बष्ट, संकाय अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, बीएसए गोरखनाथ पटेल, एडीएसडब्ल्यू डॉ. मनोज कुमार पांडे, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुश्री अनिता दिव्यांग कल्याण अधिकारी सुश्री दिव्या शुक्ला, सहित जनपद के माध्यमिक व उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता मे राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रुदौली को प्रथम व राजकीय इंटर कॉलेज गौहनिया को मिला दूसरा स्थान

अयोध्या। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में एनसीईआरटी नई दिल्ली के निर्देशन में राष्ट्रीय जनसंख्या परियोजना कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय भूमिका निर्वाह प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज में किया गया।जिसका नेतृत्व जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने किया।इस प्रतियोगिता में अयोध्या जनपद के राजकीय विद्यालयों से कुल 14 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया।रोल प्ले छात्र–छात्राओं में जीवन कौशल के विकास के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रभावकारी माध्यम तथा सीखने वाले को व्यक्तिगत एवं सामूहिक तौर पर सीखने का अवसर प्रदान करती है।इन सहगामी क्रियाकलापों के द्वारा छात्र छात्राओं की अतिरिक्त शक्ति एवं मूल प्रवृत्तियों को विभिन्न उपयोगी धाराओं में प्रवाहित करते हुए किशोर बालकों के नैसर्गिक प्रवृत्तियों को, उनके सामाजिक व्यक्तित्व के विकास एवं समृधद्धि के लिए विद्ध्यालयों में रोल प्ले के माध्यम से किशोरावस्था की बौद्धिक एवं संवेगात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करके उनका सामाजिक एवं नैतिक विकास किया जा सकता है। किशोरों में अनियमितता, अनुशासन, कर्तव्यपरायणता, सहयोगियों में विश्वास, धैर्य, टीम भावना आदि गुणों का सकारात्मक विकास होता है। इस जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यालयों द्वारा नशा मुक्ति, पौष्टिक आहार, इलेक्ट्रॉनिक गजेट्स का सुरक्षित उपयोग पर छात्र–छात्राओं द्वारा रोल प्ले का प्रदर्शन किया गया।जिसमें राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रुदौली अयोध्या को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, राजकीय इंटर कॉलेज गौहनिया द्वितीय एवं राजकीय हाई स्कूल गढ़ा को तृतीय स्थान प्रदान किया।बाद मे छात्रों को प्रमाणपत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया।इस प्रतियोगिता रोल प्ले जिला समन्वयक जितेंद्र कुमार यादव प्रवक्ता के समन्वयन एवं प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज ओंकार नाथ के संयोजकत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। निर्णायक मंडल में रामनिहोर उप प्रधानाचार्य,अशोक सरोज प्रधानाध्यापक एवं संध्या साह प्रवक्ता के अतिरिक्त अन्य प्रतिभागी विध्द्यालयों से आए हुए शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा छात्र/छात्राएं मौजूद रहे।

सोमवार को वितरित किया जाएग मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र

अयोध्या। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में 2425 चयनित मुख्य सेविकाओ को जनपद स्तर पर नियुक्ति पत्र वितरण सोमवार को किया जाना है।उसी कड़ी में सोमवार को जिले के 108 चयनित मुख्य सेविकाओं को सभी जन प्रतिनिधियों द्वारा नियुक्ति प्रमाण पत्र सौपा जाएगा।इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी बताया कि यह नियुक्ति पत्र उन्ही चयनित मुख्य सेविकाओं को प्रदान किया जाएगा जिनका मेडिकल तथा पुलिस वेरीफिकेशन शनिवार तक हुआ रहेगा।

यौमुन्न नबी का ऐतिहासिक जुलूस 5 सितम्बर को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में यौमुन्न नबी का ऐतिहासिक जुलूस 5 सितम्बर को निकाला जाएगा। यह जुलूस शाही ईदगाह से शुरू होकर शाही अटाला मस्जिद तक जाएगा। मरकजी सीरत कमेटी ने बुधवार को डीएम डॉ दिनेश चंद्र से मुलाकात किया। और विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 25 अगस्त की रात से होगी। यह 6 सितम्बर की रात तक चलेगा। मुख्य जुलूस के अगले दिन 6 सितम्बर

को रात 7 बजे से अटाला मस्जिद में जलसा यौमुन्न नबी का आयोजन होगा। इसमें देश के प्रसिद्ध विद्वान और शायर शामिल होंगे। 25 अगस्त को हजरत हमजा चिश्ती का सालाना उर्स भी मनाया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु रात भर शामिल होंगे। जुलूस और सजावट को देखने के लिए पूरे देश से हजारों की संख्या में लोग जौनपुर आएंगे। प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि 25 अगस्त से पहले जिला शांति एकीकरण समिति की बैठक कराई जाए। साथ ही 4 से 8 सितम्बर तक शहर में बिजली कटौती न हो, साथ मे साफ सफाई इसके लिए शासन को पत्र लिखा जाए। नगर के विभिन्न मोहल्लों में भी जुलूस और जलसों का आयोजन किया जाएगा। सा

देर रात पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर कार चालक को कार चलाते वक्त आई नींद हुआ हादसा एक की मौत

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर ६ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर देर रात बड़ा सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार महिंद्रा कार (भ्–51 ठम्–1437) में सवार परिवार चंपारण बिहार से लखनऊ इलाज के लिए जा रहा था। कार चालक दीपक कुमार गुप्ता पुत्र स्व.गणेश प्रसाद गुप्ता निवासी पालनावा चंपारण, बिहार रात करीब 1रू30 बजे माइल स्टोन 147.6 के पास वाहन चलाते समय नींद की झपकी आ जाने से नियंत्रण खो बैठा।गाड़ी डिवाइडर तोड़ते हुए नीचे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में दीपक कुमार (50) गंभीर रूप से घायल हो गए,जिन्हें ग्रामीणों की मदद से बिरसिंहपुर सरकारी अस्पताल ले जाया गया,जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।कार में दीपक के बड़े भाई राजन (65) पत्नी डेजी (48) और बेटी पलक (22) भी सवार थीं,जो हादसे में घायल हुईं। ग्रामीणों ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

एनएसएस स्वयंसेवक प्रभात तिवारी को कुलपति ने किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवक प्रभात तिवारी को मंगलवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें वर्ष 2025 में नई दिल्ली स्थित लालकिले पर विशेष अतिथि स्वयंसेवक के रूप में चयनित होने पर प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव ने बताया कि प्रभात तिवारी बीते दो वर्षों से एनएसएस के विविध कार्यक्रमोंकृ स्वच्छता ही सेवा, ब्लड डोनेशन कैंप, दिवाली विद माय भारत, युवा संसद आदि में सक्रिय रूप से सहभागिता करते रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. देवराज सिंह, डॉ. अजय प्रताप सिंह, डॉ. राम नारायण, डॉ. शशिकांत यादव सहित स्वयंसेवक अभिनव कीर्ति पांडेय, सुमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

भीमा का सपना' ने रचा इतिहास - डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र की प्रतियोगिता में टॉप 5 में शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । गौहर गांव के सरकारी विद्यालय के छात्रों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की इस वर्ष मनाई गयी 135वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित एक विशेष प्रतियोगिता में बाजी मारी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर के विचारों, आदर्शों और समाज सुधार में उनके योगदान को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करना था। प्रतियोगिता में देशभर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और विविध माध्यमों से बाबासाहेब के जीवन, संघर्ष एवं सपनों को दर्शाने का प्रयास किया। इसी कड़ी में प्रस्तुत की गई एक लघु फिल्म 'भीमा का सपना' को विशेष सराहना मिली और यह शीर्ष 5 सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों में शामिल की गई। इस उपलब्धि की जानकारी डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के निदेशक आकाश पाटिल द्वारा दी गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह फिल्म न केवल डॉ. अंबेडकर के विचारों का प्रभावी चित्रण करती है, बल्कि शिक्षा के प्रति चेतना जगाने में एक सशक्त माध्यम भी बनती है। इस फिल्म के निर्देशक शिक्षक शिवम सिंह ने बताया कि भीमा का सपना फिल्म ने यह सिद्ध किया है कि आज की युवा पीढ़ी बाबासाहेब के सपनों को न केवल समझ रही है, बल्कि उन्हें रचनात्मक रूप से समाज के सामने रख भी रही है। इस फिल्म की कहानी, निर्देशन और प्रस्तुति ने निर्णायकों को प्रभावित किया, जिससे इसे शीर्ष पांच में स्थान मिला। मड़ियाहूं के खंड शिक्षा अधिकारी उदयभान कुशवाहा ने इस सम्मानजनक उपलब्धि के लिए फिल्म के रचनाकारों को बधाई दी साथ ही, इस प्रकार के आयोजनों से यह भी स्पष्ट होता है कि भारत के युवाओं में सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता निरंतर बढ़ रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।